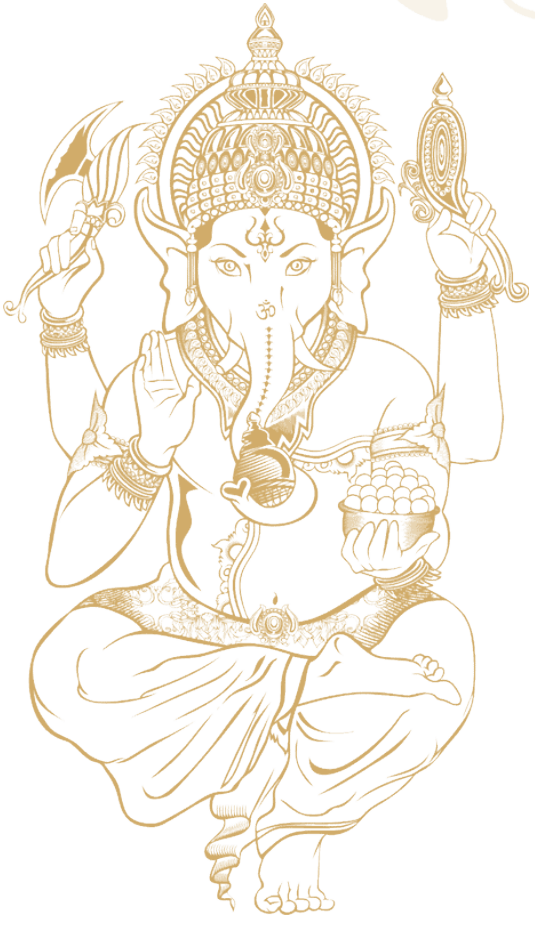

Vinayak

29 Oct 2010

07:48 AM

Sirhind

Model: web-freekundliweb

Order No: 120802902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/10/2010**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:48:00 घंटे**
इष्ट	02:58:45 घटी
स्थान	**Sirhind**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:39:00 उत्तर
रेखांश	76:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:18 घंटे
साम्पातिक काल	09:53:07 घंटे
सूर्योदय	06:36:29 घंटे
सूर्यास्त	17:39:02 घंटे
दिनमान	11:02:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:32:29 तुला
लग्न के अंश	25:49:08 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:49:08	303:21:20	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			तुला	11:32:29	00:59:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			मिथु	23:17:11	13:31:21	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	06:34:12	00:43:02	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध		अ	तुला	19:14:23	01:34:40	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	00:12:18	00:04:07	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	स्वराशि
शुक्र	व	अ	तुला	11:27:56	00:36:39	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			कन्या	17:07:40	00:06:58	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु			धनु	10:25:20	00:00:52	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	नीच राशि
केतु			मिथु	10:25:20	00:00:52	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	नीच राशि
हर्ष	व		मीन	03:14:20	00:01:43	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	01:55:31	00:00:19	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो			धनु	09:17:34	00:01:20	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	02:01:22	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:46

लग्न-चलित

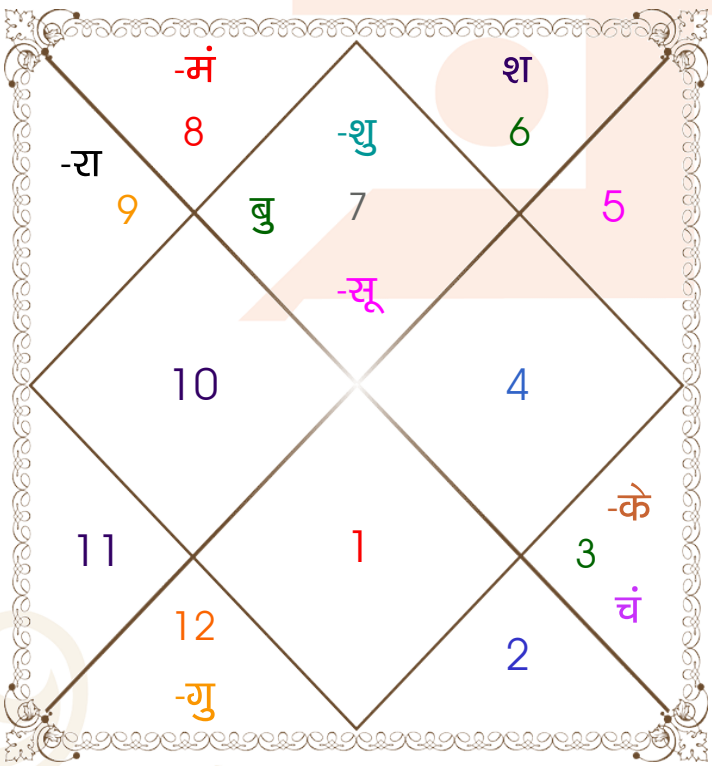

चन्द्र कुंडली

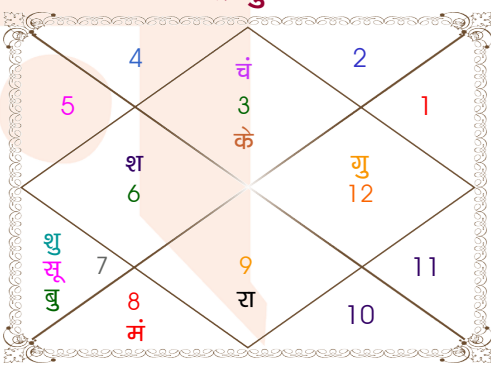

नवमांश कुंडली

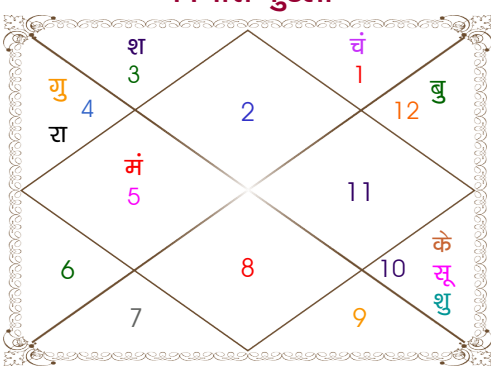

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 0 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/10/2010		18/11/2022		18/11/2041		18/11/2058		18/11/2065	
18/11/2022		18/11/2041		18/11/2058		18/11/2065		18/11/2085	
	29/10/2010	शनि	21/11/2025	बुध	16/04/2044	केतु	17/04/2059	शुक्र	20/03/2069
शनि	20/07/2011	बुध	31/07/2028	केतु	13/04/2045	शुक्र	16/06/2060	सूर्य	20/03/2070
बुध	25/10/2013	केतु	09/09/2029	शुक्र	12/02/2048	सूर्य	21/10/2060	चंद्र	19/11/2071
केतु	01/10/2014	शुक्र	09/11/2032	सूर्य	18/12/2048	चंद्र	23/05/2061	मंगल	18/01/2073
शुक्र	01/06/2017	सूर्य	22/10/2033	चंद्र	20/05/2050	मंगल	19/10/2061	राहु	19/01/2076
सूर्य	20/03/2018	चंद्र	23/05/2035	मंगल	17/05/2051	राहु	06/11/2062	गुरु	19/09/2078
चंद्र	20/07/2019	मंगल	01/07/2036	राहु	03/12/2053	गुरु	13/10/2063	शनि	18/11/2081
मंगल	25/06/2020	राहु	08/05/2039	गुरु	10/03/2056	शनि	21/11/2064	बुध	18/09/2084
राहु	18/11/2022	गुरु	18/11/2041	शनि	18/11/2058	बुध	18/11/2065	केतु	18/11/2085

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/11/2085		19/11/2091		19/11/2101		19/11/2108		19/11/2126	
19/11/2091		19/11/2101		19/11/2108		19/11/2126		00/00/0000	
सूर्य	08/03/2086	चंद्र	18/09/2092	मंगल	17/04/2102	राहु	02/08/2111	गुरु	07/01/2129
चंद्र	06/09/2086	मंगल	19/04/2093	राहु	06/05/2103	गुरु	26/12/2113	शनि	30/10/2130
मंगल	12/01/2087	राहु	19/10/2094	गुरु	11/04/2104	शनि	01/11/2116		00/00/0000
राहु	07/12/2087	गुरु	18/02/2096	शनि	21/05/2105	बुध	21/05/2119		00/00/0000
गुरु	24/09/2088	शनि	18/09/2097	बुध	18/05/2106	केतु	08/06/2120		00/00/0000
शनि	06/09/2089	बुध	18/02/2099	केतु	14/10/2106	शुक्र	08/06/2123		00/00/0000
बुध	14/07/2090	केतु	19/09/2099	शुक्र	14/12/2107	सूर्य	02/05/2124		00/00/0000
केतु	18/11/2090	शुक्र	21/05/2101	सूर्य	20/04/2108	चंद्र	01/11/2125		00/00/0000
शुक्र	19/11/2091	सूर्य	19/11/2101	चंद्र	19/11/2108	मंगल	19/11/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।